भारत सरकार
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4457
(दिनांक 19.07.2019 को उत्तर देने के लिए)

प्रसार भारती द्वारा स्थानीय सामग्री

4457. श्री दयानिधि मारनः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्थानीय/क्षेत्रीय सामग्री प्रदान करने हेतु प्रसार भारती द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) किन कारणों से शॉर्ट वेव को नरम राजनयिक तंत्र होने के बावजूद इसकी सेवाएं बंद करने पर विचार किया जा रहा है;

(ग) क्या मंत्रालय ने शॉर्ट वेव की लोकप्रियता बढ़ाने हेतु कोई कदम उठाया है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या मंत्रालय की प्रसारण अवसंरचना तथा नेटवर्क विकास को मजबूत करने की योजना है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सूचना और प्रसारण मंत्री
(श्री प्रकाश जावड़ेकर)

(क): प्रसार भारती दूरदर्शन के 17 क्षेत्रीय भाषा सैटेलाइट चैनलों (आरएलएसएस) के माध्यम से और आकाशवाणी नेटवर्क के 90 स्थानीय रेडियो स्टेशनों के माध्यम से स्थानीय/क्षेत्रीय विषय-वस्तु प्रदान कर रहा है जिसे वह 178 से भी अधिक मुख्य बोलियों और भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं में प्रसारित करता है।

सभी क्षेत्रीय विषय-वस्तु प्रसार भारती ग्लोबल डिजिटल प्लेटफार्म न्यूज ऑन एआईआर, 70 से अधिक यू ट्यूव चैनलों पर तथा दूरदर्शन, आकाशवाणी, आकाशवाणी समाचार और दूरदर्शन समाचार की वेबसाइटों के माध्यम से उपलब्ध है।

(ख) एवं (ग): प्रसार भारती बोर्ड ने अप्रचलित शॉर्टवेव ट्रांसमीटर, जिन्होंने अपना उपयोगी-काल पूरा कर लिया है, को चरणबद्ध तरीके से बंद करने का निर्णय लिया है। तथापि, शॉर्टवेव के रणनीतिक महत्व के मद्देनजर, प्रसार भारती बोर्ड ने 3 डिजिटल रेडियो (डीआरएम) सक्षम

शॉर्टवेव ट्रांसमीटरों, जो आधुनिक प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं, को चालू रखने का निर्णय लिया है।

(घ): केंद्र सरकार ने दूरदर्शन और आकाशवाणी के अवसंरचना सुदृढ़ीकरण हेतु 3 वर्षों (2017-20) के लिए प्रसार भारती की "प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास" स्कीम के अंतर्गत 1054.52 करोड़ रु. की राशि अनुमोदित की है।

*****